

Haryana Government Gazette

Published by Authority

Govt, of Haryana

CHANDIGARH, TUESDAY, AUGUST 30, 1994 (BHADRA 8, 1916 SAKA) No. 35]

	Doggad
• •	Pages 483—485
	Nil
••	Nil
••	Nil
:.	Nil
••	Nil
÷ •	Nil
••	Nil
•	į Nil
••	351—361
**	Nil
	xcii-xciii
••	Nil
• •	Nil
• -	969 984
	Nil

Haryana Government Notifications and Orders TOURISM DEPARTMENT

The 24th August, 1994

No. 28/4/78-6PP In confin ation of Haryana Government notifications issued,—vide endst. No. 28/4/78-6PP, dated 15th July, 1991, 10th September, 1991, 28th July, 1992 and 7th July, 1993, respectively, the Governor of Haryana is pleased to extend the term of appointment of Shri Brij Anand, M.L.A., Ambala Cantt, as Chairman of Board of Directors of Haryana Tourism Corporation Ltd. Chandigarh for a further period of one year, i. e. from 17th July, 1994, to 16th July, 1995, on the terms and conditions contained in Maryana Government notification No. 28/4/78-6PP, dated 10th September, 1991 and 7th July, 1993 referred to above.

Complete Capy Rs. 5.75 Price : Re. 1.00 (483)

2. This issues with the concurrence of Finance Department conveyed,—vide !their U. O. No. 1/75/81-4FG-I/2016, dated 9th August 1994.

R. L. SUDHIR,

Commissioner and Secretary to Government, Haryana, Tourism Department.

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांन 18 ग्रगस्त, 1994

कमांक 4430-ज-2-94/17421.—श्री रघुनाथ सिंह, पुत्र श्री मलुक सिंह, निवासी गांव देवराली, तहसील महेन्द्रगढ़,, जिला महेन्द्रगढ़ को पूर्वी पंजाब बुद्ध बुक्क्सर प्रवित्तियम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए)तया 3(1ए) के प्रधीन सरकार की प्रविद्याना क्रमांक 16872-ज-(111)-66/20236, दिनांक 7 प्रक्तूबर, 1966 द्वारा 100 वपसे वार्षिक भौर बाद में प्रविद्याना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक भौर उसके बाद प्रविद्याना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 वपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. मन श्री रघुनाथ सिंह की दिनांक 7 अशैल, 1990 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाचा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनयम (जैसा कि उसे हरियाचा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन अदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री रघुनाथ सिंह की विधवा श्रीमती भूरवाई के नाम खरीफ, 1990 से 300 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1993 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

रव्दीर शर्मा,

भवर सचिव, हरियाणा सरकार, राजस्य विभाग ।

LAVE NOTIFICATION